

आखिर कब तक देश जलेगा उग्रवाद की भट्टी में...

देवास @पत्रिका. कैलादेवी मंदिर में श्रीमद् भागवत के मंच पर 7 अप्रैल को देर रात तक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कवि सत्यनारायण सत्तन ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच अपनी राष्ट्र भक्ति की रचनाओं का पाठ किया। उन्होंने कहा कि आ गया है वक्त जागते रहो, ना सोइए, हमलावरों के रक्त से अपने शस्त्र को धोइए। उन्होंने कहा कि मां हिन्दी शब्द और लव अंग्रेजी है। श्रीकृष्ण ने जीवन जीना और खेल खेलना भी सिखाया है। उन्होंने पाठ करते हुए कहा कि क्रिकेट की स्थापना हुई मेरे हिंदुस्तान में, पहला खेल खेला था



जमना तट पर नंदलाल ने। राष्ट्र भक्ति और धर्म भक्ति की रचनाओं का पाठ किया। वहीं लखनऊ के

कवि वेदव्रत वाजपेयी ने रचनाएं सुनाते हुए कहा कि आखिर कब तक देश जलेगा उग्रवाद की भट्टी में,

हमको पूरी दुनिया करना है अपनी मुट्ठी में। अभी तिरंगे के रंगों का ठीक से उड़ाना बाकी है, कटे फटे मानचित्र

का पूरा जुड़ना बाकी है। राष्ट्र भक्ति की रचनाओं को सुनकर श्रोताओं ने भारत माता की जयकारे से पांडाल को गुंजायमान कर दिया। देवास के राष्ट्रीय कवि देवकृष्ण व्यास ने सुनाया कि यह धरती है सनातनी की, नहीं जरूरत तनातनी की। इतिहास के पन्ने खोल के देखो, जीवित मिला प्रमाण है।

हास्य रचनाएं सुनकर लगाए ठहाके

वहीं गुजरात से आई कवियित्री मोनिका हठीला ने सरस्वती वंदना के साथ अपनी श्रृंगार एवं प्रेरक रचनाएं

सुनाई। राजस्थान के हास्य कवि सत्येन्द्र यशवेन्द्र ने अपनी रचनाओं से हंसाया। शाजापुर के हास्य कवि दिनेश देसी घी ने हास्य परोडी पढ़कर श्रोताओं को ठहाके लगाने मजबूर कर दिया। चेतन उपाध्याय ने संचालन किया। अतिथियों का स्वागत आयोजक मन्नुलाल गर्ग, शंकरलाल अग्रवाल, समिति संयोजक रायसिंह सेंधव, राजेश यादव, अजबसिंह ठाकुर, रमण शर्मा, माखनसिंह राजपूत, गोविंद अग्रवाल, मोहन श्रीवास्तव, हेमंत जैन आदि ने किया। आभार जयेश गर्ग ने माना। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।